

दैनिक नवभारत प्रसिद्धी दि. 22 अक्टो 12

शिविर दिनांक 21 अक्टो. 12

328 इपिलिप्सी मरीजों ने लिया लाभ

मुंबई की टीम ने की जांच



22.10.12 नवभारत

अमरावती कार्यालय अमरावती, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान के शालेय स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम अंतर्गत इपिलिप्सी फाउंडेशन व जिला एकात्मिक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण संस्था के संयुक्त प्रयासों से जिला अस्पताल में 21 अक्टूबर रविवार सुबह 9 बजे इपिलिप्सी जांच व उपचार शिविर किया, इसमें मुंबई से आए डा. निर्मल सुयी व उनकी 21 डॉक्टरों के समावेश वाली टीम ने मरीजों की जांच व इलाज किया, शिविर में कुल 328 इपिलिप्सी के मरीजों ने लाभ लिया. इन मरीजों में बड़तर आश्रम शाला के 17 बच्चों का समावेश है.

साढ़े 4 लाख खर्च

यहां इतिन के जिला शालेय चिकित्सक डा. आर.डी.भोग, एनआरएचएम को राज्य

कार्यक्रम अधिकारी दीपमाला गोपाले प्रमुखता से उपस्थित थी. यहां इपिलिप्सी (अस्मार्, फरकड़े, मिरगी, फिट आना, झटके) जैसी बीमारियों के मरीजों को न्यूरोलॉजिस्ट से जांच, मुक्त में ई.ई.जी जांच व इलाज तथा आय.ई.सी वितरण व दवाइयों दी गईं. गोपाले ने बताया कि एनआरएचएम अंतर्गत पिछले वर्ष राज्य में 7 जिलों में यह शिविर लिए थे, इस वर्ष 11 जिलों में यह शिविर होने वाले है. प्रत्येक शिविर पर राज्य सरकार 4 लाख 17 हजार रुपए खर्च कर रही है. शिविर में प्रत्येक मरीज को जांच, इलाज तथा उसे भोजन भी दिया जा रहा है.

दैनिक अंतराष्ट्र समाचार विश्व परिसिद्धी दि 22 अक्टो 12 .
शिविर दिनांक 21 अक्टो 12 .

स्वास्थ्य | एनआरएचएम तथा एपिलेप्सी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लगा शिविर

अब से होजा पहलू काम... फिर नाम

शिविर अंती | अमराठी

जिला समाज्य अस्पताल में रविवार सुबह 9 बजे से सप्ताह जिले के मिर्गी के योगियों के उपचार के लिए शिविर लगाया गया। मिर्गी के उपचारार्थ इस शिविर का आयोजन एनआरएचएम तथा एपिलेप्सी फाउंडेशन मंडल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम अधिकारी दीपालता गोपाडे ने बताया कि समूचे महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 7 जिलों में मिर्गी के मरीजों का उपचार करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस वर्ष राज्य के 11 जिलों में यह आयोजन हुआ है।

अमराठी जिले के लिए हुए इस कार्यक्रम में फाउंडेशन एमडी विकास खारोले तथा अस्पताल के शिविर चर्चन ने महत्वपूर्ण भूमिका रखी है। समूचे कार्यक्रम को अत्यंत एनआरएचएम की ओर से किया जाता है। मिर्गी शिविर के लिए 4 लाख 20 हजार के अनुदान प्राप्त हुआ है। जिला सामाज्य अस्पताल के समन्वयक चणू ने बताया कि शिविर सफल और की भांग के अंश पर शिविर की शुरुआत प्रातः 9 की गई। मरीजों की सेवा से बंधन कोई कार्यक्रम नहीं है। इसलिए केस के औपचारिक उद्घाटन में समय बर्बाद



न करने हुए मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एपिलेप्सी फाउंडेशन के चणू परमान शि मिर्मल सर्गा परचाराशे तहसील के गांव चणूसर से आए स्थानीय उन बच्चों में अनुशासन को देखकर सभी बच्चों को बालकों की जांच से शुरुआत हुई। मिर्गी के प में विशेष रूप से फाली बार अमराठी के न्यूरोलॉजिस्ट तथा एपिलेप्सी फाउंडेशन के चणू परमान शि मिर्मल सर्गा ने चणूसर के बालसुधार गुठ के बच्चों को देखा तथा उन बच्चों में अनुशासन को देखकर सभी बच्चों को उपचार स्वस्था बच्चों को भेंट दी।

21 डॉक्टरों की टीम ने लिया भाग

मिर्गी के रोकथाम तथा उपचार के लिए जिला अस्पताल में आयोजित कैम्प में 21 डॉक्टरों की टीम ने भाग लिया। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष मरीजों की संख्या में कमी आने की बात प्रख्यात ने अंती है। पिछले वर्ष 398 मरीजों का रिजल्टेशन कर इलाज किया गया था। वहीं रविवार के कैम्प में 323 मरीजों के रिजल्टेशन हुए हैं। जिनमें 100 मरीजों के मंद बरा अतिव्यक्ति लगाया गया। साथ ही 45 मरीजों को जलाना सुविधा तथा डॉ. आरती शर्मा द्वारा कौन-संज्ञिक के माध्यम के जनजागृति लक्ष शिविर प्रातियम हुए का। समूचे शिविर को सफल बनाने के लिए जिला समाज्य अस्पताल के तथा एपिलेप्सी फाउंडेशन के समस्त सदस्यों ने भाग्य योगदान दिया।

पथनाट्य कट्ट की जनजागृति

एपिलेप्सी फाउंडेशन के माध्यम से मूक तथा बुरे से अंध कार्यक्रमों ने चणू ने जनजागृति चौक, चणू स्टैंड, चणू स्टैंड, पंचवटी चौक, ईरिस चौक पर पथनाट्य प्रस्तुत कर आम जनता में मिर्गी के बारे में जनजागृति कर जनसंख्या पर इलाज से दीमादी पूरी तरह ठीक होने का संदेश दिया।

सायकोलॉजिस्ट की भूमिका अहम

जिला अस्पताल अस्पताल में चणूसर डॉक्टरों की टीम चणू से अंध तथा अस्पताल के सायकोलॉजिस्ट ने सभी मिर्गी के मरीज मरीजों को कौशल-सिखा कर स्वस्थ के सुधार संबंधी गोप्य पूर्ण जानकारी दी। डॉ. लज्जा पुरोहित द्वारा चणूसर डॉक्टरों के साथ सहकारपूर्ण भूमिका पर सभी मरीज तथा स्वस्थ के शिवायों ने संतोष व्यक्त किया। डॉक्टर पुरोहित ने बताया कि मरीज को उनका जमाना से मिले जाने दीमादी तथा 10 वर्ष बाद से होने वाली दीमादी इन दोनों ही प्रकार से संभव के इलाज तथा प्रतिक्रियाक श्रवण ठीक होने पर ही बेहतर इलाज संभव है।

दैनिक अंतराष्ट्र 22.10.12

दैनिक लोकमत समाचार वृत्तपत्र एपिलेप्सी
दि. 22 अक्टो 2012
शिविर दि. 21 अक्टो. 2012

303 ने लिया एपिलेप्सी शिविर का लाभ

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान के तहत दूसरे वर्ष आयोजन

अमरावती। 21 अक्टूबर (तीस)

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य अभियान के तहत एपिलेप्सी फाउंडेशन व जिला एकलिक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण संस्था की ओर से रविवार को जिला सामान्य अस्पताल में एपिलेप्सी शिविर किया गया। शिविर में जिले के 303 मरीजों को पंजीयन करवाते हुए उन्हें औषधि सुविधा का लाभ दिया गया। जिला सामान्य अस्पताल परिसर में आयोजित शिविर का उद्घाटन एपिलेप्सी फाउंडेशन के डॉ. निर्मल सुर्पा तथा डॉ. रघुनाथ भोये की उपस्थिति में किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में कुल 303 मरीजों ने पंजीयन करवाया, मिनी तथा बससे संबंधित घीमारियों से राहत देने के उद्देश से लगातार दूसरे वर्ष यह उपक्रम चलाया गया। शिविर में न्यूरोलॉजिस्ट, इ.ए.जी जांच, मार्गदर्शन तथा घीमारी से निजात पाने की

तकनीक बताई गई। कुल 303 पंजीकृत मरीजों में से 35 मरीजों को केवल फाउंडेशन की सुविधा तथा 100 मरीजों का दिमागी जांच की गई, परधान सभी मरीजों को 3 माह की मुफ्त दवाईयां शिविर के माध्यम से उपलब्ध करवाई गई है।

डॉ. निर्मल सुर्पा के अलावा डॉ. मुकुल चाहेली, डा. नीरज चाहेली, डा. मनिष मालोकर, डा. दीपक खुरडे सहित मुंबई से पक्षरी 10 से 12 डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का इलाज किया।

पथनाट्य की पेशकश

एपिलेप्सी फाउंडेशन की ओर से जनआगरा ग्रेवू रेलवे स्टेशन, पंचवटी चौक, इंधिन चौक, बस स्टैंड तथा अंबादेवी परिसर में मिनी की घोषी संबंधी पथनाट्य पेश किए गए।

बेटी बचाओ को दिया महत्व

जिला सामान्य अस्पताल के परिचारिक महाविद्यालय की छात्राओं ने 'कन्या रूप हत्या रोकें, बेटी बचाओ' अभियान के तहत शिविर परिसर में प्रथम रंगोली साकार कर उपस्थितों का ध्यानाकर्षित किया।

18 बच्चों की हुई जांच

स्व. अंबादास पंत वैद्य चालसुधार गुरुवाड़ा से 18 लड़के तथा लड़कियों की एपिलेप्सी जांच की गई। दरमियान प्रा. विहिद खडिंकर, राजेंद्र गायनेर, प्रा. राजा गावडे सहित कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की सफलता हेतु मानस विरोध डॉ. अमोल मुत्तारे, डॉ. सी. एच. जायसवाल, सतीश बाघ, अरविंद मारचेंडीवार, एनआरएमएम मुंबई की प्रोजेक्ट ऑफिसर दिपमाता गोपाले, डॉ. कुर्तखेड़ी, डा. देवजो, अनंत बंग सहित 30 लोगों की टीम ने शिविर की सफलता के लिए सहयोग दिया।

शिविर शिविर 21.10.12

माता-पिता ने दी मरीजों की सेवा की सीख

दैनिक पालिहीन 22.10.12

प्रतिनिधि, 21 अक्टूबर
 अमरावती : मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि बिजनेस की है. पिताजी बिजनेस करते थे. उन्हें गरीब मरीजों पर बड़ा तरस आता. यही सोचकर उन्होंने मुझे चिकित्सक बनाने की ठानी. मुझे डाक्टर बनाकर मरीजों की सेवा करने की सीख दी. माता-पिता की उसी सीख का अनुसरण कर रहा हूँ.



अमरावती : चण्डर के विकलांग अनाथ बच्चों को देखते इपिलेप्सी फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. निर्मल सूर्या. बाएं- जय स्टूडियो, अमरावती

इपिलेप्सी फाउंडेशन के डा. निर्मल सूर्या का कथन शहर के सैकड़ों मरीजों की जांच और उपचार इवेंट में उमड़ा रेला

उपलब्ध प्रतिदिन अड़वार से मुखातिब हुए थे. मरीजों की जांच करते-करते प्रतिदिन संवाददाता से उन्होंने बातचीत जारी रखी.

डा.सूर्या ने बताया कि अमरावती लकी शहर है. देश के किसी गांव में फाउंडेशन का दूसरा कैम्प नहीं हुआ. जबकि अमरावती शेष पृष्ठ 2 पर

माता-पिता ने दी मरीजों की सेवा की सीख

पृष्ठ 8 से जारी-में लगातार दूसरे वर्ष बड़ा कैम्प हो रहा है. पिछले वर्ष 405 मरीजों को जांचा गया. मुफ्त दवाएं दी गईं. तीन माह का कोर्स निशुल्क किया गया. डा.सूर्या ने बताया कि वे अकेले नहीं आए पूरा पैकेज लेकर आए हैं. जिसमें 12 प्रतिशत न्यूरो सर्जन, स्पेशल थेरेपी, फिजियो और अन्य सहायक भी शामिल है. इंडीजी निकालने के लिए कोमती आयातित मशीनें भी लाए हैं. राज्य सरकार से डेढ़ लाख रुपए की दवाएं निशुल्क उपलब्ध करवाई हैं. लोगों में जागरूकता लाने काफी सामग्री के साथ-साथ नुक्कड़ नाटक की मंडली भी जगह-जगह प्रस्तुति दे रही है. डाक्टर के अलावा सैकड़ों नर्सों और सहायक नुटे हैं.

भारत में सवा करोड़ मरीज
 डा.सूर्या ने बताया कि भारत

को एक प्रतिशत आबादी मिरगी से ग्रस्त है. वहां भी भागों में बीमारी को लेकर कई भ्रांतियां फैली हैं. मस्तिष्क में खून फेल जाने के कारण यह बीमारी होती है. वंशानुगत प्रमाण केवल 1-2 परसेंट है. अल्पसंख्यक समाज में जेनेटिक एक्सपोजर के कारण बीमारी अधिक फैल रही है. हेड इन्जुरी भी एक बड़ा कारण है.
एनआरएचएम का साथ
 डा.सूर्या ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के सहयोग से अमरावती के अलावा पिछले दिनों नासिक, सातारा, जालना, अहमदाबाद, उस्मानाबाद में शिविर ले चुके हैं.
डाक्टर है या फरिश्ता
 डा.सूर्या केवल लम्फाजी बातें नहीं करते. उन्होंने शिविर में ही साक्षित कर दिया कि किस कदर

उनमें सेवाभाव समाया है. जैसे ही चण्डर के अनाथ विकलांग बच्चे मंगे पांव देखें डा.सूर्या पसीज गए. उन्होंने तुरंत सभी के लिए अच्छी किरम की घण्टल मंगवाई और अपने हाथों से पहना भी दी. पूरे शिविर के दौरान लगभग 50 मरीजों की इंडीजी करवाई. खुद उनका निरीक्षण कर दवा लिखकर दी.
शिविर में सेवा देनेवाले सर्जन
 शिविर में न्यूरो सर्जन सर्वश्री डा.मुकुंद बाहेली, डा.नीरज बाहेली डा.काबरा, डा.मोनिका, डा.सौरभ बिलाला, डा.संतोष कोर्डेकर, डा.अभिनव हुचुचे, डा.दीपक कुराडे आदि ने निशुल्क सेवा दी. डा.कुराडे अमरावती के हैं. डा.सूर्या ने उन्हें प्रति सप्ताह एक घंटा इवेंट आकर मरीजों का फॉलोअप लेने का दायित्व भी सौंपा.

हेनिक सकाळ वृत्तपत्र पब्लिशी हि. 22 अको. 12

शिबिर हि. 21 अको 12.

हे. सकाळ 22.10.12

'पीएचसी'त इपिलिप्सीची मोफत औषधे

डॉ. निर्मल सूर्या : महाराष्ट्र शासनाचा सकारात्मक दृष्टिकोन



अमरावती : जिल्हा सामान्य रुग्णालयात आयोजित शिबिरात सहभागी वडदारांच्या मुला-मुलींची आरंभेने चौकशी करताना डॉ. निर्मल सूर्या.

सकाळ वृत्तसेवा

अमरावती, ता. २१ : इपिलिप्सी या आजारासंदर्भात स्वातंत्र्यानंतरही जागृतीचा अभाव दिसून येतो. या आजाराची लक्षणे लहान मुलांमध्ये अधिक आढळतात. त्यामुळे आता या आजारासंदर्भातील आठ प्रकारची औषधे गावपातळीवरील प्राथमिक आरोग्य केंद्रातून उपलब्ध करून देण्याच्या हालचाली सुरू झाल्या आहेत, असे मुंबई येथील इपिलिप्सी फाउंडेशनचे प्रमुख डॉ. निर्मल सूर्या

यांनी सांगितले.

राष्ट्रीय प्रामोण्य आरोग्य मोहीम (एनआरएचएम) आणि इपिलिप्सी फाउंडेशन यांच्यावतीने रविवारी (ता. २१) जिल्हा सामान्य रुग्णालयात या आजाराच्या रुग्णकरिता निदान व उपचार शिबिराचे आयोजन करण्यात आले होते. हे आयोजन डॉ. सूर्या यांच्या देखरेखीत झाले. त्यावेळी त्यांनी 'सकाळ'शी खास चर्चा केली. इपिलिप्सीसंदर्भात कुटुंबांमध्ये जागृती नाही. त्यामुळे त्याचे निदान पान २ वर ▶

'पीएचसी'त इपिलिप्सीची मोफत औषधे

» पान १ वरून

योग्य पद्धतीने होत नाही. ग्रामीण आणि शहरी भागात अद्यापही फिट आल्यानंतर अशा रुग्णांना पाणी पसण्यापासून तर त्यांच्या नाकासमोर चंपल तेथ्याचे प्रकार चारायस मिळतात. त्यातून फायदा होण्याऐवजी रुग्णांचे नुकसान अधिक होते. त्यातून आजू घालण्याच्या दुष्टीने राज्य शासनाच्या एन.आर.एच.एम. आणि फाउंडेशनच्यावतीने सन २०१० पासून अशा प्रकारचे आयोजन जिल्हास्तरावर केले जात आहे. त्यासाठी प्रत्येक जिल्ह्यातील तज्ज्ञ डॉक्टरांची चमू निवडण्यात आली. आतापर्यंत या आजाराच्या रुग्णांसाठी शासकीय रुग्णालयात हजे त्या प्रमाणात आणि केंद्रेवर औषधी मिळत नव्हती. परंतु, महाराष्ट्र शासनाने त्यासंदर्भात आठ औषधांची खरेदी करण्याचे आदेश दिले आहेत. अशाप्रकारच्या औषधी उपलब्ध करून देणारे महाराष्ट्र हे देशातील पहिले राज्य ठारल्याचे डॉ. सूर्या यांनी सांगितले. त्यामुळे अशा प्रकारची औषधे ही गावपातळीवरील प्राथमिक आरोग्य केंद्रांमधून उपलब्ध करून देण्याचा मानस आहे. त्याद्वारे वाटचाल सुरू झाली आहे. पुढिल्यात या गंधीर आजाराचे प्रमाण कमी होईल, असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला. अशी लक्षणे असणाऱ्या रुग्णांच्या तपासणीसाठी ई.ई.जी. या अत्याधुनिक मशीनची गरज असते. त्या मुंबई, पुणे, नागपूर, नाशिक यासारख्या शहरांमध्ये उपलब्ध आहेत. खासगीमध्ये अशा तपासणीसाठी हजारो रुपयांचा खर्च येतो. ती या शिबिरामध्ये नि:शुल्क केली जात आहे. राज्यातील राजकीय नेत्यांनी त्याद्वारे प्रत्येक शहरात योग्य सोयी-सुविधा उपलब्ध करून देण्यासाठी सकारात्मक दृष्टिकोन बाळगण्याची गरज आहे. कुटुंबातील अशा रुग्णांना मानसिक आराम दिल्यास ती निश्चित बरा होऊ शकते, असे डॉ. निर्मल सूर्या यांनी सांगितले.

हे. सकाळ 22.10.12

दैनिक सकाळ वृत्तपत्र शिबिरी दि. 21 अक्टो 2012
शिबिरी दि. 21 अक्टो 2012

इपिलिप्सी शिबिरात तीनशे रुग्णांची हजेरी

शंकरबाबांच्या मुलांना डॉक्टरांचाही मदतीचा हात

अमरावती, ता. २१ : राज्य शासनाच्या एकात्मिक आरोग्य व कुटुंब कल्याण संस्था, इपिलिप्सी फाउंडेशन यांच्या संयुक्त विद्यमाने शिबिरी (ता. २१) जिल्हा सामान्य रुग्णालयात आयोजित मोफत उपचार व निदान शिबिराला जिल्हादारील सुमारे तीनशे रुग्णांनी हजेरी लावली. त्यातही वयस्करांच्या स्व. अकादमरपंत वैद्य प्रतिभेद विद्यालयाच्या १७ मुला-मुलींना अनेकानी मदतीचा हात दिला.

मिर्गा, फिट येणे, झटक येणे, शरीर अकडणे अशा प्रकारची लक्षणे या रुग्णांमध्ये दिसून येतात. वयस्करांच्या आजमातील मुले शिबिर सुरू होण्यापूर्वीच जिल्हा सामान्य रुग्णालयाच्या परिसरात पोहोचली. प्रतिभेद असलेल्या या मुला-मुलींना इपिलिप्सीच्याही अजारमे द्यासले होते. पन्नास किलोमीटर अंतराहून शहरात शिबिरासाठी आलेली ती मुले अनवाणी होती. हे दृश्य इपिलिप्सी फाउंडेशनचे

मुंबई येथील प्रमुख डॉ. निर्मल सूर्या यांच्या दृष्टीस पडताच त्यांनी बाहेरच या मुले कुठली, कोणत्या संस्थेमधून आली, यान्वत माहिती घेतली. या १७ मुला-मुलींकरिता त्यांनी तातडीने चपला आणून दिल्यात. त्यांची डॉ. सूर्या आणि पुनःआरंभकांच्या राज्यप्रमुख दीपमाला गोंपाळे यांनी आस्थेने चौकशी केली. जिल्हा रक्तयंत्रिकारक डॉ. रघुनाथ भोये हेमुद्दा या संपूर्ण व्यवस्थेवर विरोध रक्ष लेवून होते. सकाळी ९ पासून सुरू झालेल्या इपिलिप्सी शिबिराला रुग्णांची गर्दी सायंकाळपर्यंत कायम होती. तब्बल डॉक्टरांच्या चमूमध्ये डॉ. निर्मल सूर्या यांच्या नेतृत्वात डॉ. रघुनाथ भोये, डॉ. मुकुंद बाहेरी, डॉ. कमलेश जर्गीस, डॉ. दिनेश काबरा, डॉ. नीरज बाहेरी, डॉ. सौरभ बिलाल, डॉ. मोनिका गालोकर, डॉ. दीपक खुराडे, डॉ. संतोष कोठेकर, डॉ. अखिलेश शर्मा, डॉ. अभिनव हचुचे, डॉ. आरती शर्मा आदी तज्ज्ञांचा समावेश होता.



अमरावती : जिल्हा सामान्य रुग्णालयात आयोजित इपिलिप्सी शिबिरात सहभागी रुग्णांची तपासणी करताना डॉक्टर.

दैनिक सकाळ . 22-10-12

दैनिक देशीणली वृत्तपत्र मसिखी दि- 21 अक्टो 12,
शिबिर दिनांक 21 अक्टो 2012 .



श्री. शिबिराणी 20.10.12 .

अमरावती - राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान व इपिलेप्सी फाऊंडेशन यांच्या संयुक्त विद्यमाने जिल्हा सामान्य रुग्णालयात इपिलेप्सी रुग्णांची तपासणी व उपचार शिबिर आयोजित करण्यात आले होते. या शिबिराला जिल्हातील हजारो रुग्णांनी तसेच मुला-मुलींनी लाभ घेतला. यावेळी जिल्हा सामान्य रुग्णालयात व्यापमाणे गर्दी उरकली होती.

शिबिर

■ शेकडो रुग्णांवर उपचार

इपिलेप्सी फाऊंडेशनचे डॉ. सुर्या यांचे मनोगत



आई - वडिलांच्या पावलावर पाऊल ठेवतो

प्रतिनिधी / २१ ऑक्टोबर

अमरावती: माझी कोटुबोक माईपुत्री च्यापारी आहे. वडिलां खापर करत होते त्यांना गरीबांना कडे पाहण कष्ट पडायचे. त्यामुळेच माझ्या वडीलांनी मला वैद्यकीय शिक्षण देण्याचे मतोमन ठाणले. आणि डॉक्टर होऊन रुग्णांची सेवा करण्याचा सल्लार दिला. याच आई-वडिलांच्या सल्ल्यानुसार आपण कर्तव्य पार पाडतो आहे असे इपिलेप्सी फाऊंडेशनचे डॉ. निर्मल सुर्य यांनी वृत्तकेसरीशी बातलाभ करताना

सांगितले. इपिलेप्सी फाऊंडेशनच्या वतीने जिल्हा सामान्य रुग्णालयात आरोग्य शिबोर सुरू आहे. यानिमित्ताने वृत्तकेसरीने डॉ. सुर्य यांच्याशी संवाद साधला असता त्यांनी आपले मनोगत व्यक्त केले. डॉ. सुर्य यांनी आपल्या टिम सभ्ये १, २, प्रतिष्ठित न्युरो सर्जन आणले आहेत. राज्य सरकार कडून त्यांनी अडीच लाख रूपयाची औषधी उपलब्ध केली. नागरीकोमधे या रुग्णांविषयी माहिती होण्यासाठी शहरात पथनाटय सुरू आहेत. डॉ. सुर्य १ फान २ बा...

आई - वडीलांच्या ...
 यांच्या सखेत असल्या परीवारिका सेवेत सहभागी आहेत. देशात सव्वाकोटी रुग्ण डॉ. सुर्य यांनी मिरगी (भोवळ) रुग्णांची स्थिती सारासारा देशात बालेकी सव्वा कोटी रुग्ण आहेत या आजारा विषयी प्राचीण भागात विविध संघय आहेत. पाणतीच्या मेंदू रक्त विद्युत्त्यामुळे हा आजार जळतो परंतु यश परंपरेने या आजाराची टक्केवारी १-२ टक्के आहेत. जलसंख्य समाजात हा आजार वाढत आहे. त्यामध्ये डोक्याला यार सांगणाऱ्याचे प्रमाण अधिक

आहे. डॉ. सुर्य सदा मिशन अमरावती व्यक्तिरिक्त नाशिक, सातारा, जलना, अमहदाबाद, उस्मानाबाद, येथेही शिबोर यशस्वी केले आहे. डॉ. सुर्य यांनी केवळ यर्वा केली नाही तर त्यांच्याकायचतून सेवा भावदेवुन दिला आहे. यशर येथील मतीमेंदू बालकाकडे पाहण्या त्यांनी स्वःत्ता आर्षय व्यक्त केले आणि त्यांनी अनबानी या मतीमेंदू बालकांना लगेच चपला खरेदी करून आणल्या स्वःत्ताच्या हातानी या बालकांच्या पयात घातल्या.
सेवा देणारे सर्जन
 सुरू असलेल्या शिबोरामध्ये सेवा देणाऱ्या सर्वनास डॉ. मुकुंद बाहेली, डॉ. निरज बाहेली, डॉ. काबरा, डॉ. मोनिका, डॉ. सीरभ बिलाला, डॉ. संतोष कोडकर, डॉ. अभिनव हुबूचे, डॉ. दीपक कुन्हाडे यांनी कुठलाही मोबदला न घेता आपली सेवा दिली आहे. डॉ. कुन्हाडे ई र्विन रुग्णालयात दर आठवड्याला आपली सेवा डॉ. सुर्या यांच्या सुवेनेवरून देणार आहेत.

शा. १०/१०२

इपिलेप्सी फाऊंडेशन व ग्रामीण आरोग्य अभियान शिबिर

वड्डरच्या १८ मतीमंद बालकांची तपासणी

प्रतिनिधी/२१ ऑक्टोबर

अमरावती : स्व. अंबादासपंत वैद्य बालसुधार गृह वड्डर येथील १८ मुलामुलींची आज २१ ऑक्टोबर रोजी इर्विन हॉस्पिटलमध्ये, राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान व इपिलेप्सी फाऊंडेशन यांचे संयुक्त विद्यमाने आयोजित शिबिरात तपासणी करण्यात आली.

वड्डर येथील बालसुधार गृहातील १८ मुलामुलींची इपिलेप्सी फाऊंडेशन मुंबईचे अरमन डॉ.निर्मल सुर्या यांचे प्रमुख उपस्थित ही तपासणी करण्यात आली. या बाल सुधार गृहामध्ये ह.च्या.प्र.मंडळीचे प्रधान सचिव प्रभाकरराव वैद्य, गेल्या २० वर्षांपासून दर महिन्याला १ लाख रुपयांचा किराणा पाठविलात. वड्डर येथे शंकरबाबा पापळकर १२५ मुलामुलींचे पालक म्हणून ही सर्व जबाबदारी सांभाळतात. समाज कार्यात नेहमीच अग्रेसर राहणारे प्रतिदिन अखबार व बुचकेसरीचे प्रबंध संपादक जयराम आहूजा तसेच याच परिवारातील विद्यास



अमरावती : जिल्हा सामान्य रुग्णालयात वड्डरच्या विद्यार्थ्यांची तपासणी जिल्हा शल्य चिकित्सकांनी केली. (छाया-जयस्टुडिओ,अमरावती.)



अमरावती : डॉ. निर्मल सुर्या मतिमंद बालकांवर मायेचा हात फिरविताना. बाजूच्या छायाचित्रेत लोक वाचवा, देश वाचवा संदेश देणारी रांगोळी.

आहूजा हेसुद्धा या उपक्रमात आश्रमातील बालकांना जेवण मुलांचे समवेत प्रा.रविंद्र खांडेकर, वड्डर येथील कर्मचारी उपस्थित सहभागी झाले होते.तपासणीनंतर देण्यात आले. आज इर्विन मध्ये राजेंद्र गावनेर, प्रा.राजा गावंडे व होते.

शिविर दि. २१ ऑक्टोबर २०१२
 २१ ऑक्टोबर २०१२
 Page 13

दैनिक पूण्यनगरी वृत्तपत्र पत्रिका दि. 22 अक्टोबर
शिबीर दि. 21 अक्टोबर 2012

जिल्हा सामान्य रुग्णालयात ३०२ मिर्गी रुग्णांवर उपचार

राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान व इलेप्सी फाऊंडेशन यांचा संयुक्त उपक्रम

अनरावती
दि. २१ (प्रतिनिधी)

राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान व इलेप्सी फाऊंडेशन यांच्या संयुक्तवतीने आज जिल्हा सामान्य रुग्णालयात मिर्गी आजारावर भव्य शिबीर आयोजित करण्यात आले होते. जिल्हातील एकूण ३०२ रुग्णांवर या शिबीरात उपचार करण्यात आले.

जिल्हा शल्यचिकित्सक डॉ. रघुनाथ भोये यांच्या मार्गदर्शात आयोजित या शिबीरात मुंबईच्या इलेप्सी फाऊंडेशनचे अध्यक्ष डॉ. निर्मल सूर्या यांच्या प्रमुख उपस्थितीत रुग्णांची तपासणी करण्यात आली. मुंबईचे नऊ मेंदुविकारतज्ज्ञांनी रुग्णांची तपासणी करून मार्गदर्शन केले.

या शिबीरात वड्डर येथील स्व. अंबादासपंत वैद्य बालसुधारगृह



उपचारासाठी आलेले वड्डर येथील बालसुधारगृहातील रुग्ण.

येथील १८ मुला-मुलींचीही तपासणी करण्यात आली. जिल्हा मध्यवर्ती तुरुंगात शिक्षा भोगणाऱ्या पाच मिर्गी रुग्ण असणारे कैदीही

शिबीरात सहभागी झाले होते. मिर्गी आजारावर घ्यावयाची काळजी साबाबत डॉ. निर्मल सूर्या यांनी मार्गदर्शन केले. एखाद्या रुग्णाला

मिर्गी आली तर त्यांच्याशी कसे वागावे साबाबत त्यांनी जिल्हा सामान्य रुग्णालयाच्या डॉक्टरांनाही मार्गदर्शन केले.

दि. 22.10.12

शिविर हि. 21 अक्टो. 2012



उपचारासाठी आलेली वडद्वार बालगृहातील मुले

मिरगीग्रस्तांवर मोफत उपचार

स्वामिक प्रतिनिधी / २१ ऑक्टोबर
अमरावती : एनआरएचएम अंतर्गत मुंबईच्या ईफिलेप्सी फाऊंडेशनच्या वतीने आज २१ ऑक्टोबरला मिरगीग्रस्त रुग्णांवर मोफत उपचार करण्यात आले आहे. यावेळी शेकडो रुग्णांनी या विनामूल्य उपचार सेवेचा लाभ घेतला.

॥ रुग्णांना खाजगी उपचारासाठी मोठ्या प्रमाणात खर्च येतो. पण, आज शिविरामध्ये या रुग्णांना औषधीसह अन्य उपचार मोफत देण्यात आले आहे. येथील इर्विन रुग्णालयात आज सकाळी १० वाजता पासून मुंबई येथून आलेल्या तज्ज्ञ डॉक्टरांच्या चमूने मिरगीग्रस्तांवर उपचार केले. यावेळी मरुतवती कारागृहातील पाच बंदींना सुध्दा उपचारासाठी आपले होते. वडद्वार येथील बालगृहातील १७ जणांना

कारागृहातील बंदींसह शेकडो रुग्णांनी हजेरी

उपचारासाठी आले होते.

या शिविरामध्ये उपचार घेणाऱ्या रुग्णांना औषधोपचार मोफत असून त्यांना महाभड्या आणि अत्याधुनिक सोई देण्यात आल्या आहे. डॉक्टरांनी सांगितल्याप्रमाणे मिरगीचा उपचार घेणाऱ्या रुग्णांना मोठ्या प्रमाणात खर्च करावा लागतो. कारण मिरगीग्रस्तांना देण्यात येणाऱ्या औषधी महाभड्या असतात. अनेकदा तर याही रुग्णांना त्या विकत घेणे सक्क होत नाही. पण यावेळी शासनाने या शिविरासाठी ४ लाख १७ हजारचा निधी दिला आहे. त्यावेळी अर्ध्या लाखांच्या औषधी आज

शिविरामध्ये सहभागी झालेल्या रुग्णांना देण्यात आल्या. यापुढी जिल्हास्तरातील विविध शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांची तपासणी करण्यात आली होती. ३९९ विद्यार्थ्यांनाही आज उपचारासाठी आपण्यात आले होते. मिरगी हा आजार भयावह नसला तरी त्याबाबत जागृत राहणे आवश्यक आहे. कारण, मिरगीग्रस्तांवर तापडीने उपचार होणे आवश्यक असते, असे मुंबईवरून आलेले तज्ज्ञ डॉक्टर सांगत होते. आज ईफिलेप्सी फाऊंडेशनच्या वतीने नऊ डॉक्टरांची चमू इर्विन रुग्णालयात दाखल झाली होती.

ही चमू डॉ. निर्मल सूर्या यांच्या नेतृत्वात कार्यरत असते. प्रविष्यातही मिरगीग्रस्तांना आपण मोफत उपचार करू. असे डॉ. सूर्या यांनी सांगितले. +++

21/10/12 10:45 AM

दैनिक जनमाध्यम वृत्तपत्र शिबिरी हि. 22 अक्टो 12.

शिबिरी हि. 21 अक्टो 12.

वड्डर येथील मुलामुलींची शिबिरात तपासणी

श्री. जनमाध्यम 22.10.12



अमरावती/प्रतिनिधी

अचलपूर तालुक्यात प्रसिद्ध असलेल्या वड्डर येथील १८ मुलामुलींची तपासणी करण्यात आली आहे. येथील जिल्हा सामान्य रुग्णालयात राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान व इगिलेप्सी फाऊंडेशन यांच्या संयुक्त विद्यमाने तपासणी शिबिर आज आयोजित करण्यात आले होते. वड्डर येथील बाले सुधारगृहातील १८ मुलींची मुकई येथील इगिलेप्सी फाऊंडेशनचे अध्यक्ष डॉ. निर्मल सूर्या यांच्या प्रमुख उपस्थितीत तपासणी करण्यात आली.

गेल्या २० वर्षांपासून सधर बालसुधार गृहाला हनुवाप्र मंडळाचे प्रधान सचिव पदाशी प्रभाकरराववैद्य दर महिन्याला एक लाख रुपयांचे किराया सामान पाठवितात. वड्डर येथील बालसुधार गृहात १२५ मुलामुलींचे पालक म्हणून शंकरबाबा पापडकर जबाबदारी सांभाळतात.

आज जिल्हा सामान्य रुग्णालयात झालेल्या शिबिरात तपासणीचे वेळी प्रा. रविंद्र खाडकर, राजेंद्र गावने, प्रा. राजा गावडे व वड्डर येथील कर्मचारी उपस्थित होते.

उद्देखनिव म्हणजे अचलपूर तालुक्यात असलेल्या वड्डर येथे शंकरबाबा पापडकर हे अनाथ आश्रम चालवत असून त्यांची ओळख संपूर्ण अनाथांचे नाव म्हणून महाराष्ट्र भर आहे. या ठिकाणी राहत असलेल्या सर्वच अनाथ मुलांना आपली स्वतःची मुले म्हणून शंकरबाबा पापडकर त्यांचा सांभाळ करतात. महाराष्ट्रातून येणाऱ्या सर्वच मोठ्या नेत्यांना सुध्दा याची कल्पना असून या ठिकाणी राहत असलेल्या सर्वच मुलांच्या प्रकृतीची देखभाल पापडकर नेहमीच घेत असतात. यावेळी जिल्हात वेगवेगळ्या रोगाची लागत होत असल्याने त्याची देखभाल म्हणून या शिबिरात मुलांची तपासणी करण्यात आली.